

**विनती स्त्री.** (तत्.) विनय पूर्ण निवेदन/सविनय निवेदन प्रार्थना।

**विनमन पुं.** (तत्.) नमन, झुकना, विनयपूर्वक नमन, नमस्कार।

**विनम वि.** (तत्.) झुका हुआ, विनीत, विनयी, विनय शील, सुशील।

**विनय स्त्री.** (तत्.) नम्रता, सौजन्य, शिष्टता, सौम्यता, नम्रता पूर्वक की जाने वाली प्रार्थना विनती काव्य. एक सममात्रिक दंडक छंद जिसके प्रत्येक चरण में 44 मात्राएँ होती हैं टि. प्राचीन काल में अनुशासन अथवा शिक्षा के अर्थ में भी विनय का प्रयोग होता था।

**विनयपिटक पुं.** (तत्.) आदि बौद्ध शास्त्रों में से एक।

**विनयशील वि.** (तत्.) नम्र, शिष्ट, सुशील, शालीन।

**विनयावत वि.** (तत्.) 1. विनय के कारण झुका हुआ 2. विनय युक्त, विनयी, विनम्र।

**विनयी वि.** (तत्.) विनय युक्त, विनम्र।

**विनरीव वि.** (तत्.) मौन, चुप उदा. या किसी की यह विनरीव आह हैं- सुमित्रानंदन पंत।

**विनवना अ.क्रि.** (देश.) 1. झुकना, नम्र होना 2. नम्रतापूर्वक कहना, निवेदन करना, विनय करना।

**विनशन पुं.** (तत्.) 1. नाश, बरबादी, बर्बादी 2. वह स्थान जहाँ सरस्वती नदी का लोप हुआ।

**विनशना अ.क्रि.** (देश.) नष्ट होना, बर्बाद होना 2. विगड़ना स.क्रि. विनाश करना, बर्बाद करना, विगड़ना।

**विनश्वर वि.** (तत्.) अधिक समय तक न रहने वाला 2. विनाश शील होने के कारण शरीर को भी विनश्वर कहा जाता है।

**विनष्ट वि.** (तत्.) 1. पूरी तरह से नष्ट, बरबाद, विगड़ा ध्वस्त हुआ 2. विकृति 3. पतित, भ्रष्ट 4. लुप्त हुआ, मृत।

**विनष्टि स्त्री.** (तत्.) 1. विनाश 2. भ्रष्टता 3. विकृति 4. लोप, मरण, मृत्यु।

**विनष्टिकरण/विनष्टीकरण पुं.** (तत्.) विनाश करना, विनष्ट करना प्रयो. वनमाफिया द्वारा स्वार्थ के लिए वनों का विनष्टीकरण हो रहा।

**विनष्टोपजीवी पुं.** (तत्.) मुर्दा या मरे हुए जीव खाकर जीने वाला।

**विनसना अ.क्रि.** (तद्.) नष्ट होना।

**विनसाना क्रि.स.** (तद्.) नष्ट करना, बिगाड़ना।

**विना अव्य.** (तत्.) 1. न होने पर 2. अभाव में 3. न रहने की अवस्था में 4. वगैरा 5. सिवाय 6. अतिरिक्त।

**विनाड़ी स्त्री.** (तत्.) समय की एक छोटी माप, घटी-घड़ी, समय का 60 वाँ भाग।

**विनाती स्त्री.** (तद्.) विनय।

**विनाथ वि.** (तत्.) अनाथ, स्वामी रहित, बिना नाथ के।

**विनायक पुं.** (तत्.) 1. विशेष, श्रेष्ठ नायक 2. शिव पार्वती के पुत्र गणेश 3. पक्षिराज-गरुड़ 4. बाधा को दूर करने वाला।

**विनायिका स्त्री.** (तत्.) 1. विनायक, गणेश की पत्नी-ऋद्धि/सिद्धि 2. गरुड़ पत्नी 3. गुरुपत्नी।

**विनाश पुं.** (तत्.) 1. अत्यधिक हानि 2. घोर अनर्थ 3. नाश, ध्वंस, बर्बादी 4. दुर्दशा।

**विनाशक वि.** (तत्.) 1. विनाश करने वाला 2. मार डालने वाला 3. विगाड़ने वाला।

**विनाशन पुं.** (तत्.) 1. विनाश कराना 2. मार डालना 3. बिगाड़ना।

**विनाशना सं.क्रि.** (तत्.) 1. नष्ट करना 2. संहार करना, मार डालना 3. बिगाड़ना।

**विनाशवान वि.** (तत्.) नाशवान, नश्वर, मरणशील, नष्ट होने वाला।

**विनाशित वि.** (तत्.) दे. विनष्ट।